

"सांस्कृतिक इतिहास लेखन के नये आयाम : बनारस के विशेष संदर्भ में"

निर्मत कुमार पाण्येय*

1980-20 के दशक के डीपन जिस्स केंद्रिक प्रदान पर work and burke ultain at way at gittern steps की प्रशंत पर भी प्रभाव पता जिल्हें सरकनावादी. प्राप्त-सरस्वाचारी और शरूर-सामुनिकता की विभावपात वं परिवेश्य में नवसूत्र किया जा सकता है। इसे बातरिय gifteen abuse & specifi state-mate at 1894-1894 abuse the reversity fired (Document) to Statemy of one erean or marm \$1.

their structure described to the second structure and d feniren grei viver elen E. greid füre sem fitgere शाकारणक विभे का महाराष्ट्रमें जावार है को मामाई रांद्रशासाद में द्वारा प्रचेत्र में शाचा जाता है। यह शांदरता रूद हे पैर्फ फिप अर्थ को वैतिएक तार्थिक प्रतिभाग से पान्य ब्लाई संस्थात के मूळ में कियी तारिएक पूर्व मान्यताओं को एक बाध्य शरपा में मूल्याकिया करती है। मीरिक्स, मुक्त तथा worth gittern down all ges sight all gittern share की सकार में राज में देखा जा अवसा है।

राज्ये से विरुक्तिक से विनर्श में ओवन (Wating) की माता जजार की जिसमें उत्तरसारवनावादी दृष्टिकोण को जन दिया जिसे जैनस देनिया के विस्तरकनवाद और माइकार मुक्तो से प्राप्त-सर्वित से विनर्ज में देखा जा सकता है। जार संस्थानकारी जब लेखन (Writing) पर और देते हैं, तन जनका ताल्यों विकार से बीता है। किसी की कवान का frent er und felbus auf ent ebm; we foret me दूसरे किलों का विनर्शों के सकते से अर्थ निकल्सा है और तम एक विकास के कई सारे अर्थ सामने का आते हैं। इस दिशन प्रक्रिया ने भारतीय प्रतिवास संख्या को भी प्रश्तीत

रक्षक और २०६० में समात में अर्थन में ऐसा संयोग विकासत हुआ कि इस दीशन परस्तावादी सन्द्रकादी और राजनी राष्ट्रवारी अध्यत-कथान एक दूसरे को सीची पूर्वारी देने और वर्ज तक कि एक दूसरे को निर्णायक ग्रंस से प्रवाद केंगरे की फिक्षी से का गएँ। जब उन्मुलनाकी परिवर्तन की सम्बन्धनों सीन हुई तब अवस्थित पुत्री का प्रचीत क्षत्र में इसार हुआ जी उन्मास्त्रकल की स्वाद सह रचनात्मक कराई में जने थे, जनकि मानति सीक्षिक मान ार आपनाकोची का से नार्रेचारी अधिकारी के पान प्रक पर और कार्यी तथ से का में नार्रोचारी आपनीकारी का अपन हुआ। इसी दौरान विभागतारीय दियोग की अधिकाराती होते का रहे से और 1880 के हाएक के मान में मंतर प्रकरण के कर समाजी सकितासाकतियां का महार्थों के पुश्चितार करने पर विकार किया, जिल्होंने को समय तेक हुकाई क्षेत्र को कार कार्य औरत भा

पन बारती हुई परिविधितियों से क्षांत्रेक हो सम्बन्धानर not contine assess relief it givers share it service than our yes also placed all applican मंत्रक्षिया दूसरे करियारी इंदिकोल से ओस्सीत करें क्रमायनो में किया कियों। तैयारी के एक अधिकेश अध्यान ।"

राकारने भारा ने बार्गक्रम संबंधी बळाळ के साथ कात की और साथ ही प्रथमिकारी और संदूर्वारी दोने के इतिहास लेकन के विकिट गर्नावर की सनीका की।' इस समीका के मूल में जो जिनहों था, उस जिनहों प्रक्रिया को क्यारण की संस्कृति एवं शक्ति की संस्कृत की

throng west seem to record \$ 1

त्तदियों से क्थरत अपने प्रपुर एवं समृद्ध सांस्कृतिक निरामा को नाजीय हुए हैं और इस पर सहुत साम त्रीका की इस हैं, लोकन साराधित संदर्भ के अपनी दीयोंकी केन्द्रीय किरोरे के बावजूद बनारम को अमुनिक भागीय द्वीचार में महाराष्ट्री स्थान पारा नहीं हैं, बनारबी संस्कृति की स्मार ally grove at most of fire not of the other of न परनुत्रों से दाने बाने को समझना होगा। क्यारस शहर मुलेवीय दृष्टि में एकदम अजन सार्वजनिक और व्यक्तित्रत दृष्टिकोल से आल्य-अतन सामी में बैटा हुआ nft f ung poit une neb-mite, meufen मारिकार, आध्या -समाध्या धारिकाम-बाहुरिकास स विकार एक दूसरे से पूछा हुआ राजेशी की नीति हैं।" पराकृतिक विकार के स्टेशकर अगर देशों से अधिनता निर्धात में वर्ष, जाति, सरसाय, सता में जांदवा मी बुध कारक है जैसे – चलाज़ीस जनस्मित्रकोत्रकान्त्र की सन्दिन्दिली, सालि हैते समा की मन्दिनित्ती (Lenne selection) TO OVER (Decouple works of steplit 1 get often que à avet pour "De Arment Beaux" à augli

füre fore gerft fiet, erften abr affrenn uf d क्षणाल को किञ्चल ही लिए गार्गी गीती से फेर्ड को से महाराजा, जानारी और गोमाईकी से संस्था और जीनाजन बहुतान वावाद कर पांच्यू के पांच्यू की क्षेत्रूची की क्षांच्यू की की क्षांच्यू की का क्षांच्यू की का क्षांच्यू की क्षांच्यू की का क्षांच्यू की की का क्षांच्यू की का क्षांच्यू की का का क्षांच्यू की का का क्यू की का क्षांच्यू की का क्रांच्यू की का क्षांच्य प्रान्तिक सम्बंधात को बढ़ाय वहीं पूर्वी और सम्बंधा समय को परित्र पुस्तक से सहस्रान्त कम दिखा। बताई जम कार्यात पुरावत और बीवर्त करीत (कार्यों) सेते जर्दर में प्रमुक्त शोध जमें हैं कियी बत्त जन्मीता और

पर्मिता चुलाई-शिलमा २०००